1	2	3	4	5
5. *Ampicillin*				
(a) IDPL.....	T	3. 72	1. 54	2-60
(b) Ranbaxy Labs..	T	65. 71	9927	120. 65
(c) Alembic Chemicals	T	165	1. 14	*2. 76*
(d) HAL. . . .	T	13. 56	1. 35	162
(e) Cadi la Labs.	T	13. 61	1173	15-70
(f) Lyphin Chemicals	T	6. 45	6. 15	14-36
(g) Euphoric Drugs.	T		010	0. 76
6, *Salbutamol*				
(a) Neuland Labs..	T			0. 75
(b) Standard Organics	T			022
(c) Fairdeal. . . .	T	0. 16	0. 19	0. 15
(d) CIPLA...	T	0-35	0. 66	079
(e) Pefco Foundry.	T			0. 14
7. *Amoxicillin*				
(a) Ranbaxy Labs.	T	0. 11	3-20	13. 80
(b) HAL. . . .	T		0. 08	
(c) IDPL.....	T	1. 30		
(d) Sarabhai Chemicals	T	0-17	047	
(e) Cadila Labs	T		0. 22	0. 27
(f) Euphoric Pharmas	T			
8, *Idochlorohydrocy Quinoline*	T T	11. 47	6-27	8. 88
(a) Albert David	T T	69. 28	56. 58	117. 20
(b) Atul Products..		65-91	71. 58	67. 79
(c) EIPW		4. 44	6. 61	6. 61
(d) Bio-Evans				

Illegal occupation of offices by theChairman, and Vice Chairman of theNFTCL

1302. SHRI M. KADHARSHA; Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Chairman and Vice-Chairman of National Federation of Industrial Co-operations Limited held their offices illegally;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether these officials have to pay a huge amount to the Federation; and

(d) if so, the amount involved and the steps taken by Government to recover *he same.

THE MINSTER OF STATE, IN THE DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRI M. ARUNACHALAM): fa) and (b) After the MuJ^i-State Coperative Societies Act, 1984 came into operation from 16th September, 1985 and at the instance of the Deptt, of Agriculture and. Cooperation, the Managing Director, National Federation of Industrial Cooperatives Ltd. (NAFIC) examined the eligibility of Chairman and Vice-Chairman to hold their offices in terms of the provisions of the Act. The Managing Director conveyed to the Chairman and Vice-Chairman his finding, that they ceased to hold the office in terms of the provisiotis of the aforesaid Act. Against this finding, both the. Chairman and Vice-Chairman filed Writ petitions'. The revised writ petition filed by the Chairman in Gujarat High Court is still pending. The matter is thus sub-judice. The Vice-Chairman filed writ'petition/first in the High Court of Delhi then in the High Court of Haryana and Punjab and again in the High Court of Delhi and the petitions were dismissed as withdrawn/disposed off.

(c) and (d) According to the -Federation, the Chairman and the Vice-Chairman owr an amount of Rs. 49, 554 \and Rs. 33, 584 respectively. Cases for recovery filed by the Managing Dir ector, NAFIC are pending before the Central Registrar of Cooperative Societies.

बिहार में विद्युत परियोजनाओं के पूरा किये जाने के कार्य में हुयी प्रगति

1363. **श्री अश्विनी कुमार :** क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बिहार के कहलगांव, कोयला, कारोनार्थ कर्मपुरा और तेनु घाट ऊर्जा प्रतिष्ठानों के पूरा किए जाने की दिशा में अब तक हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है और वर्तमान परिस्थितियों में इन योजनाओं का क्या महत्व है ; और

(ख) इन परियोजनाओं को पूरा किए जाने में क्या-क्या कठिनाइयां हैं और इस संबंध में बिहार सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जाने का विचार है तथा इन योजनाओं के निर्माण कार्य को पूरा करने के लिए समयबद्ध कार्यक्रम क्या है ?

ऊर्जा मंत्रालय में विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्रीमती सुशीला रोहतगी) : (क) और (ख) कहलगांव, कोयलकारो, उत्तरी कर्णपुरा और तेनुघाट विद्युत परियोजनाओं के चालू किए जाने पर बिहार राज्य में विद्युत् की उपलब्धता में सुधार होगा । इन विद्युत् परियोजनाओं का ब्यौरा संलग्न विवरण में दिया गया है ।

विवरण

प्रश्न में उल्लिखित विद्युत परियोजनाओं के बारे में ब्यौरा

1. इस समय कहलगांव सुपर ताप विद्युत परियोजना में 210–210 मेगावाट की चार यूनिटें तथा तेनुघाट ताप विद्युत परियोजना में 210–210 मेगावाट की दो यूनिटें हैं जिनको क्रमशः केन्द्रीय और राज्य क्षेत्र में कार्यान्वित किया जा रहा है । इन परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति निम्नानुसार है :–

क्रम सं.	परियोजना/यूनिट सं०	क्षमता (मेगावाट)	चालू करने का संभावित कार्यक्रम	वर्तमान स्थिति का व्यापक ब्यौरा
1.	कहलगांव सु०ता०वि० परियोजना (केन्द्रीय क्षेत्र-राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम)			1. यू.एस.एस.आर. के साथ अंतिम ठेके पर 7/87 में हस्ताक्षर किए गए थे ।